MATS

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)

(एम.ए.टी.एस.)

सत्रीय कार्य (द्वितीय वर्ष)

2020

जनवरी 2020 और जुलाई 2020 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.ए (अनुवाद अध्ययन) (MATS)

एम.टी.टी. 018–021

सत्रीय कार्य 2020

(जनवरी 2020 और जुलाई 2020 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) में कार्यक्रम की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है, एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम में अध्ययन के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबंधित एक सत्रीय कार्य करना है। इस अध्ययन कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में आपको कुल 8 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने हैं। ये सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है तथा इनमें न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ संपन्न करें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों का विभाजन इस प्रकार है :

कार्यक्रम	अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2019 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2019 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी. 018 अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन	30.9.2020	31.3.2021
एम.टी.टी. 019 अनुवाद की राजनीति	30.9.2020	31.3.2021
एम.टी.टी. 020 अनुवाद प्रक्रिया	30.9.2020	31.3.2021
एम.टी.टी. 021 अनुवाद प्रशिक्षण	30.9.2020	31.3.2021

नोट : अंतिम तिथि के उपरांत सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

उद्देश्य : एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम के अंतर्गत अनुवाद सिद्धांत, परंपरा, भाषाविज्ञान, अनुवाद के क्षेत्र, मीडिया एवं साहित्य, भारतीय भाषाएँ, अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण तथा कोशविज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद के संबंध पर विचार करते हुए उसके प्रक्रियापरक पहलुओं पर चर्चा की गई है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद को एक अध्ययन विषय के रूप में भली प्रकार से समझ सकें।

सत्रीय कार्य करते समय ध्यान रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें

- उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके आठ सत्रीय कार्यों के लिए आठ उत्तर–पुस्तिकाएँ होंगी; और
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार अपनी नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें। नामांकन संख्या की पुष्टि अपने परिचय–पत्र तथा पाठ्य–सामग्री पर दिए गए पते से भी कर लें।
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : ..... नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

.....

दूरभाष / मोबाइल : .....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम का शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : ..... हस्ताक्षर : .....

अध्ययन केंद्र का नाम : ..... तिथि : .....

- पाठ्यक्रम कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
- अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। कागज की बायीं ओर पर्याप्त हाशिया छोड़ते हुए एक तथा दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में, और लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में देने हैं।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं उन्हें भी ठीक से पढ़कर संदर्भों से मिला लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी का संकलन कर उसे व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ। तत्पश्चात् संगत जानकारी पर आधारित अपने उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें।
- सैद्धांतिक प्रश्नों को पहले भली–भाँति समझ लें तत्पश्चात् विभिन्न संकल्पनाओं का भी अध्ययन करें और उत्तर का खाका तैयार करें। इन प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षिप्त एवं यह स्पष्ट करने वाली होनी चाहिए कि इस प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में उत्तर का सार एवं मुख्य बिंदुओं पर जोर होना चाहिए। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय द्वारा दी गई अध्ययन सामग्री के अलावा विषय से संबंधित अन्य पुस्तकों, संदर्भों आदि का भी अध्ययन करें। आपके उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों से संबद्ध हों तथा उसमें निहित सभी मुख्य बातें शामिल हों।

सत्रीय कार्य समापन से पूर्व इन बिंदुओं पर भी ध्यान दीजिए :

(क) आपके उत्तर आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति प्रश्न के पूर्णतया अनुकूल हों।

(ख) आपके उत्तर अनावश्यक रूप से विस्तारित या संक्षिप्त न हों।

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

(घ) आपके उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए। आपके उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों की नकल न हों। यदि आप ऐसा करते हैं तो कम अंक मिलेंगे।

(ङ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें। यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(च) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या भी अवश्य लिखें।

(छ) **सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अपने अध्ययन केंद्र में जमा कराएँ।** सत्रीय कार्य की उत्तर–पुस्तिका को किसी भी स्थिति में **विद्यापीठ या मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।**

(ज) सत्रीय कार्य को जमा कराते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से प्राप्ति दर्ज करा लें ताकि उसे आप परीक्षा फॉर्म के साथ संलग्न कर सकें अथवा अपने रिकॉर्ड में रख सकें।

(झ) यदि आपने क्षेत्र/अध्ययन केंद्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो भी आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक कि विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने और नए अध्ययन केंद्र की सूचना नहीं भेज दी जाती।

एम.टी.टी.–018 : अनुवाद एवं अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2020

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण क्या है तथा उसमें कौन–कौन सी बाधाएँ आती हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

2. भारतीय विचारों के विकास और उनके सार्वभौमीकरण में अनुवाद की भूमिका की विवेचना कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. अनुवाद और नई राजनीतिक विश्व व्यवस्था से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में समझाइए। 6

4. विश्व साहित्य के निर्माण में अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 6

5. 'बहुसांस्कृतिकता मानव जीवन को देखने का नजरिया है।' इस कथन के आलोक में अपने विचार प्रकट कीजिए। 6

6. 'उपभोक्ता संस्कृति और अनुवाद में गहरा संबंध है।' कथन की विवेचना कीजिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) विचारों का रूपांतरण और अनुवाद

   (ख) भारतीय साहित्य में नवजागरण

एम.टी.टी.–019 : अनुवाद की राजनीति
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–019
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2020

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भारत विद्या का अध्ययन और अनुवाद पर लेख लिखिए। 10

2. ईसाई मिशनरियों और भारतविदों द्वारा भक्ति साहित्य के अनुकूलन (Appropriation) की सीमाओं पर प्रकाश डालिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. भारत में औपनिवेशिक काल में हुए अनुवादों का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 6

4. डायस्पोरा साहित्य और इसके अनुवाद के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 6

5. उपाश्रित (Subaltern) साहित्य से आप क्या समझते हैं? इसके अनुवाद को लेकर अपनाई जाने वाली प्रमुख रणनीतियों की चर्चा कीजिए। 6

6. समाज–सुधार आंदोलनों में अनुवाद के योगदान पर प्रकाश डालिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) अनुवाद और प्रतिरोध की राजनीति

   (ख) अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्थान और भारतीय साहित्य

एम.टी.टी.–020 : अनुवाद प्रक्रिया
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–020
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2020

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न सोपानों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 10

2. अनुवाद पुनरीक्षण की आवश्यकता एवं प्रविधि पर विचार कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. अनुवाद प्रकार के वर्गीकरण के मुख्य आधारों का परिचय दीजिए। 6

4. अनुवाद की सीमाओं से क्या तात्पर्य है? अनुवाद में इनके प्रभाव की समीक्षा कीजिए। 6

5. अनुवाद समीक्षा के महत्व एवं चरणों की चर्चा कीजिए। 6

6. मशीनी अनुवाद की व्यावहारिकता पर एक लेख लिखिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) निर्वचन कार्य की चुनौतियाँ

   (ख) लिप्यंकन और लिप्यंतरण

एम.टी.टी.–021 : अनुवाद प्रशिक्षण
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–021
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2020

अंक : 50

नोट : भाग–I और II में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. प्रतिलिप्यधिकार की संकल्पना स्पष्ट कीजिए तथा इसके दायरे में आने वाली कृतियों की चर्चा कीजिए। 10

2. अनुवाद प्रशिक्षण की आवश्यकता और इसके विभिन्न प्रकारों पर विचार कीजिए। 10

भाग–II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. 'बर्न कन्वेन्शन' के मुख्य बिंदुओं का वर्णन कीजिए। 6

4. स्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा के शाब्दिक एवं संदर्भगत परिचय की आवश्यकता पर लेख लिखिए। 6

5. अनुवाद में शब्द चयन का महत्व एवं प्रक्रिया पर विचार कीजिए। 6

6. अनुवाद संसाधनों के रूप में कोश की उपयोगिता एवं प्रकारों पर प्रकाश डालिए। 6

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

   (क) अनुवादक का सांस्कृतिक बोध

   (ख) प्रतिलिप्यधिकार का प्रथम स्वामी